Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

SLA–121

B.A. Part–III Due of B.A. Part–I (Supplementary) Examination, 2022

SANSKRIT

Paper - II

(भारतीय संस्कृति के तत्व, पद्य साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. सर्वे प्रश्नाः अनिवार्याः सन्ति। केषाञ्चित् **पञ्च**प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषायां देयानि–

   (i) त्रिविध ऋणों के नाम लिखिए।

   (ii) समावर्तन संस्कार क्या है ?

(iii) नन्दिनी ने राजा दिलीप की परीक्षा कितने दिन बाद ली थी ?

(iv) नन्दिनी अपने सेवक की परीक्षा लेने हेतु कहाँ प्रवेश करती है ?

(v) संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

वह मूर्ख विद्वान से ईर्ष्या करता है और दुर्जन सज्जन से द्रोह करता है।

(vi) संस्कृत में अनुवाद कीजिए–

बालक पिता के साथ विद्यालय जाता है और वहाँ पढ़कर घर आता है।

(vii) 'एचोऽयवायावः' सूत्र को सोदाहरण समझाइए।

(viii) 'आद्गुणः' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ix) 'हरि' शब्द के रूप लिखिए।

(x) 'गम्' धातु के लृट्लकार रूप लिखिए।

खण्ड–ब

नोट :– केषाञ्चित् **पञ्च**प्रश्नानां उत्तराणि देहि–

2. अधोलिखितेषु श्लोकेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** अनुवादः करणीयः–

(अ) तां देवतापित्रतिथिक्रियाऽर्थामन्वग्ययौ मध्यमलोकपालः।

बभौ च सा तेन सतां मतेन श्रद्धेव साक्षाद्विधिनोपपन्ना॥

(ब) पुरस्कृता वर्त्मनि पार्थिवेन प्रत्युद्गता पार्थिवधर्मपत्न्या।

तदन्तरे सा विरराज धेनुर्दिनक्षपामध्यगतेव सन्ध्या॥

(स) वामेतरस्तस्य करः प्रहर्त्तुर्नखप्रभाभूषितकंकपत्रे।

सक्तांगुलिः सायकपुंखः एव चित्रार्पितारम्भ इवावतस्थे॥

3. अधोलिखितेषु श्लोकेषु कयोश्चिद् **द्वयोः** सप्रसंगानुवादः करणीयः–

(क) क्षतात्किल त्रायत इत्युदग्रः क्षत्त्रस्य शब्दो भुवनेषु रूढः।

राज्येन किं तद्विपरीतवृत्तेः प्राणैरूपक्रोशमलीमसैर्वा॥

(ख) स नन्दिनीस्तन्यमनिन्दितात्मा सद्वत्सलो वत्सहुतावशेषम्।

पपौ वशिष्ठेन कृताभ्यनुज्ञः शुभ्रं यशो मूर्त्तमिवातितृष्णः॥

(ग) तथेति गामुक्तवते दिलीपः सद्यः प्रतिष्टम्भविमुक्तबाहुः।

स न्यस्तशस्त्रो हरये स्वदेहमुपानयत्पिण्डमिवामिषस्य॥

4. भारतीयविवाहस्य प्रकारान् वर्णयत।

5. नालन्दा विश्वविद्यालयस्य संक्षेपेण परिचयं विधेहि।

6. संस्कृतभाषायाम् अनुवादो विधेयः—

(i) शिशु को दूध अच्छा लगता है।

(ii) राजा सिंहासन पर बैठता है।

(iii) राजा ब्राह्मण को गाय देता है।

(iv) गंगा हिमालय से प्रवाहित होती है।

7. केषाञ्चित् **चतुर्णां** सूत्राणां व्याख्या करणीया—

(i) इकोयणचि

(ii) एङः पदान्तादति

(iii) स्तोः श्चुना श्चुः

(iv) विसर्जनीयस्य सः

(v) वान्तो यि प्रत्यये

(vi) हलि सर्वेषाम्

8. (अ) 'अस्मद्' शब्दस्य रूपं लिखत।

(ब) 'पच्' धातोः लृट्लकारे रूपं लिखत।

खण्ड–स

नोट :– केषाञ्चित् **द्वयोः** प्रश्नयोः उत्तराणि लिखत—

9. षोडश संस्काराणां महत्त्वं प्रतिपाद्य तेषां वर्णनं कुरुत।

10. द्वितीयसर्गमाधारीकृत्य दिलीपस्य चरित्र-चित्रणं कुरुत।

11. सन्धिपदानां ससूत्रसिद्धिः कार्या–

(i) सुध्युपास्यः

(ii) मध्वरिः

(iii) गंगौघः

(iv) एतन्मुरारिः

12. (क) अधोलिखितेषु **द्वयोः** शब्दयोः रूपाणि लिखत–

(i) युष्मद्

(ii) इदम् (पुल्लिंग)

(iii) नदी

(iv) इदम् (स्त्रीलिंग)

(ख) अधोलिखितेषु **द्वयोः** धातुरूपाणि लिखत–

(i) 'अद्' धातु (लट्लकार)

(ii) 'एध्' धातु (लट्लकार)

(iii) 'दृश्' धातु (लृट्लकार)

(iv) 'हन्' धातु (लट्लकार)